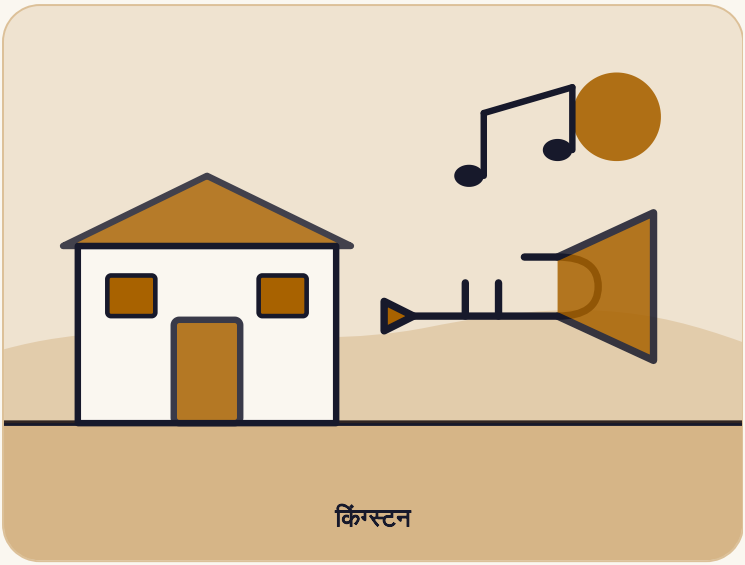

किंग्स्टन

जमैका

# जमैका की धुन के पीछे का स्कूल

किंग्स्टन के बेसहारा लड़कों के एक घर में संगीत सिखाया गया। उसके चार छात्रों ने आगे चलकर स्काटालाइट्स बनाया।

---

**कहाँ** किंग्स्टन

**कौन** सिस्टर्स ऑफ़ मर्सी और किंग्स्टन के ऐल्फ़ा बॉयज़ स्कूल के लड़के

**कब** 1880 से 2014

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

# कहानी

1880 में सिस्टर जेसी रिपोल और सिस्टर्स ऑफ़ मर्सी ने जमैका के किंग्स्टन में एक घर खोला। वह ग़रीब और अनाथ लड़कियों के लिए था। जल्द ही उसमें लड़के भी आने लगे, वे लड़के जो शहर में बहिष्कृत की तरह रहते थे। वह “बिगड़े लड़कों का स्कूल” कहलाने लगा।

ननों ने दर्ज़ीगिरी, टाइल बनाने और खेती जैसे हुनर सिखाए, ताकि लड़के अपनी रोज़ी कमा सकें। जल्द ही संगीत भी जोड़ा गया। 1892 में एक स्कूल बैंड शुरू हुआ। पहले वह ढोल और बाँसुरी का दल था। बाद में जमैका के बिशप ने उसे पीतल के वाद्य दिए।

> ऐल्फ़ा ने जमैका के युवाओं को संगीत का तोहफ़ा देकर उन्हें जीवन की शुरुआती कठिन परिस्थितियों से बचाया।
>
> लंदन की Black History पत्रिका, एक पुस्तक-समीक्षा में, जिसे Wikipedia ने उद्धृत किया

## ब्रास बैंड से स्का तक

सालों में यह बैंड जमैका के संगीत-जीवन का हिस्सा बन गया। *Jamaica Gleaner* के अनुसार उसने राजाओं, राजकुमारों और दूसरे अहम मेहमानों के लिए बजाया। बहुत से लड़के संगीत के पेशे में गए।

चार पूर्व छात्रों ने स्काटालाइट्स बनाया: डॉन ड्रमंड, टॉमी मैक्कुक, लेस्टर स्टर्लिंग और जॉनी मूर। इस बैंड को आम तौर पर स्का के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है। स्का आगे चलकर रेगे तक पहुँचा। ऐल्फ़ा के दूसरे छात्रों में ड्रमर लेरॉय “हॉर्समाउथ” वॉलेस और गायक येलोमैन व लेरॉय स्मार्ट शामिल हैं।

| 1880 | 1892 | 4 |
| --- | --- | --- |
| किंग्स्टन में घर खुलने का साल | स्कूल बैंड शुरू होने का साल | स्काटालाइट्स के संस्थापक जिन्होंने ऐल्फ़ा में पढ़ाई की |

## साउंड सिस्टम वाली नन

एक पुस्तक-समीक्षा के अनुसार, जिसे *Wikipedia* ने उद्धृत किया, सिस्टर मैरी इग्नेशियस डेविस ने 64 साल संगीत विभाग चलाया। वे अपने ही साउंड सिस्टम पर जैज़, आर एंड बी और स्का रिकॉर्ड बजाती थीं। उनके लड़के उन्हें बहुत चाहते थे और जीवन भर उनके दोस्त बने रहे। समीक्षा उन्हें “स्का और रेगे की गॉडमदर” कहती है।

सितंबर 2014 में स्कूल ने अपनी आवासीय व्यवस्था ख़त्म कर दी। वह ऐल्फ़ा इंस्टीट्यूट बन गया, एक दिन का स्कूल। वह शहर के भीतरी इलाक़ों के जोखिम वाले युवाओं को बढ़ईगिरी और नाई-कला जैसे हुनर सिखाता है। संगीत अब भी सिखाया जाता है, शास्त्रीय और जैज़ से लेकर स्का, रॉकस्टेडी और रेगे तक। दो साल का एक कोर्स छात्रों को बैंड के साथ काम के लिए तैयार करता है। सबसे प्रतिभाशाली को एक अतिरिक्त साल मिलता है।

## कब क्या हुआ

- **1880** सिस्टर्स ऑफ़ मर्सी किंग्स्टन में घर खोलती हैं।
- **1892** स्कूल बैंड ढोल और बाँसुरी के दल के रूप में शुरू होता है।
- **स्का** चार पूर्व छात्र स्काटालाइट्स बनाते हैं।
- **2014** स्कूल अपनी आवासीय व्यवस्था ख़त्म करके ऐल्फ़ा इंस्टीट्यूट बन जाता है।

दूसरा अध्याय

# यह कहानी ख़ास क्यों है

ऐल्फ़ा सितारे बनाने नहीं निकला था। वह बेसहारा लड़कों को देखभाल, अनुशासन और एक हुनर देने निकला था।

संगीत ने कम विकल्पों वाले लड़कों को दिखने और सुने जाने का रास्ता दिया।

> **हमारी राय**
> बेसहारा लड़कों का एक घर जमैकी संगीत की जन्मभूमियों में से एक बन गया।

तीसरा अध्याय

# हम क्या सीख सकते हैं

### 1 सिर्फ़ खाना नहीं, हुनर सिखाइए

ननों ने हुनर और संगीत सिखाया ताकि लड़के रोज़ी कमा सकें।

**यह आज़माएँ:** जब किसी की मदद करें, तो कोई टिकाऊ हुनर जोड़िए।

### 2 अनुशासन को आनंद के साथ मिलाइए

स्कूल अनुशासन और संगीत की शिक्षा के लिए जाना जाता था।

**यह आज़माएँ:** रोज़ की दिनचर्या के साथ कोई ऐसी चीज़ जोड़िए जो लोगों को करना पसंद है।

### 3 एक शिक्षक पीढ़ियाँ गढ़ सकता है

सिस्टर मैरी इग्नेशियस ने एक समीक्षा के अनुसार 64 साल संगीत विभाग चलाया।

**यह आज़माएँ:** किसी ऐसे शिक्षक को धन्यवाद कहिए जो सालों आपके साथ रहा।

### 4 रूप बदलिए, दिल वही रखिए

स्कूल ने 2014 में आवासीय व्यवस्था ख़त्म की और संगीत सिखाना जारी रखा।

**यह आज़माएँ:** हालात बदलें तो तरीक़ा बदलिए, मक़सद नहीं।

---

साथ ले जाने वाली एक बात

## एक बचाई गई ज़िंदगी ऐसा गीत शुरू कर सकती है जिस पर पूरी दुनिया नाचे।

---

# स्रोत (अंग्रेज़ी में)

**Jamaica Gleaner**
Music Diaries: Alpha continues rich musical heritage (2017)

**Uncommon Caribbean**
Alpha Boys' School, Nurturing Jamaican Music for More Than 100 Years

**Wikipedia**
Alpha Boys School

**तथ्य-जाँच नोट:** तीनों स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और कुछ ब्योरों में अलग हैं। शुरुआत: Jamaica Gleaner कहता है कि सिस्टर जेसी रिपोल ने पहले अनाथ और वंचित लड़कियों को रखने और उनकी देखभाल की ज़रूरत देखी, और यह विचार बाद में किंग्स्टन में बहिष्कृत रहने वाले लड़कों तक बढ़ाया गया, जो 1880 में शुरू हुआ; Wikipedia और Uncommon Caribbean कहते हैं कि स्कूल 1880 में "बिगड़े लड़कों के स्कूल" के रूप में स्थापित हुआ; कहानी दोनों देती है। हुनर (दर्ज़ीगिरी, टाइल बनाना, खेती) और 1892 में ढोल-बाँसुरी दल के रूप में बैंड की शुरुआत, जो बाद में जमैका के रोमन कैथोलिक बिशप के पीतल के वाद्य देने के बाद ब्रास बैंड बना, Wikipedia से हैं; Gleaner भी बैंड को 1892 का बताता है। बैंड ने राजाओं, राजकुमारों और अन्य अहम मेहमानों के लिए बजाया, यह Gleaner से है। स्काटालाइट्स के चारों संस्थापक सदस्य (डॉन ड्रमंड, टॉमी मैक्कुक, लेस्टर स्टर्लिंग और जॉनी मूर) Uncommon Caribbean के अनुसार सभी ऐल्फ़ा में पढ़े थे; Gleaner अपने पूर्व छात्रों में ड्रमंड, मैक्कुक, मूर ("Johnny 'Dizzy' Moore" के रूप में) और स्टर्लिंग को गिनाता है। "आम तौर पर स्का के आविष्कार का श्रेय" Uncommon Caribbean से है; Wikipedia कहता है कि स्कूल को "स्का और रेगे के विकास को प्रभावित करने का श्रेय दिया गया है"। कहानी स्काटालाइट्स का कोई साल नहीं देती। लेरॉय "हॉर्समाउथ" वॉलेस, येलोमैन और लेरॉय स्मार्ट को Uncommon Caribbean, Gleaner और Wikipedia पूर्व छात्र बताते हैं। उद्धरण और सिस्टर मैरी इग्नेशियस डेविस का वर्णन (संगीत की प्रमुख के रूप में 64 साल, अपना साउंड सिस्टम, जैज़, आर एंड बी और स्का रिकॉर्ड, जीवन भर की दोस्ती, और "स्का और रेगे की गॉडमदर" की उपाधि) लंदन की Black History पत्रिका की एक पुस्तक-समीक्षा से हैं जिसे Wikipedia ने उद्धृत किया, इसलिए वे दूसरे हाथ के हैं और हम वह समीक्षा नहीं खोल सके; सिस्टर इग्नेशियस की Guardian श्रद्धांजलि नहीं पढ़ी जा सकी। 5 सितंबर 2014 को आवासीय व्यवस्था का ख़त्म होना और ऐल्फ़ा इंस्टीट्यूट में बदलना, जो जोखिम वाले शहरी युवाओं के लिए बढ़ईगिरी और नाई-कला जैसे हुनर सिखाने वाला दिन का स्कूल है, Gleaner (2017) से हैं, और सिखाई जाने वाली संगीत शैलियाँ तथा दो साल का कोर्स (सबसे प्रतिभाशाली के लिए एक अतिरिक्त साल के साथ) उसी लेख से हैं। 2017 के बाद के घटनाक्रम हमने नहीं जाँचे। Wikipedia और अन्य स्कूल का नाम "Alpha Boys' School" और "Alpha Cottage School" इस्तेमाल करते हैं; कहानी ऐल्फ़ा बॉयज़ स्कूल इस्तेमाल करती है। पिन किंग्स्टन में स्कूल की जगह दिखाता है। "हमारी राय" वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।